>

Title: Situation arising due to the severe heat wave conditions prevailing in various parts of the country.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अध्यक्ष महोदया, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे बहुत गंभीर और महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाने की अनुमति दी है। अभी अप्रैल का महीना है और संपूर्ण देश में जो गरमी या लू चलती जून में चलती थी वह अप्रैल में ही चलने लगी है और पारा 43-44 डिग्री पहुंच गया है। आपने खुद इसका नतीजा देखा कि ...(व्यवधान) *

अध्यक्ष महोदया : जगदम्बिका पाल जी, आपने नोटिस में जो विषय दिया है उसके बारे में बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): महोदया, यह बात कार्यवाही से निकाली जानी चाहिए।

अध्यक्ष महोदया : निकाल दिया है, कह दिया है। Nothing will go on record. Nothing else will go on record except what he is saying on the subject mentioned in the notice.

...(*Interruptions*)

श्री संजय निरुपम (मुम्बई उत्तर): अध्यक्ष महोदया, इनके प्रति सहानुभूति व्यक्त की जा रही है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठिए। ये नोटिस के विषय पर बोल रहे हैं। आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI JAGDAMBIKA PAL : Madam, what I am saying is a fact. It is a truth. I do not know why are they so much angry. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप नोटिस के विषय पर बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल : महोदया, मैं नोटिस के विषय पर ही बोल रहा हूं। मैंने सच्चाई कही है, मैंने कोई इस तरह की बात नहीं कही है। यह बात पूरा देश जानता है कि वे बेहोश हो गए। मैंने सत्य बात कही है, असत्य बात नहीं कही है। मैंने इस बात का उल्लेख इसलिए किया है कि पूरे देश में अप्रैल महीने में 43-44 डिग्री पारा चढ़ गया है जिसके कारण देश के सुदूर अंचलों में रहने वाले गरीब लोग, जिनकी प्रतिरोधक क्षमता नहीं है, जिन्हें दो जून का भोजन और साफ पानी नहीं मिलता है, उन्हें लू लग रही है। मैं सरकारी आंकड़े बता रहा हूं कि लगभग 80 लोगों की मौत हुई है। इसमें सर्वाधिक मौतें उत्तर प्रदेश, बिहार, उड़ीसा और मध्य प्रदेश में हुई हैं। गरमी और लू से लगभग 80 लोग मर चुके हैं। हम केंद्र से एनआरएचएम, नेशनल हैल्थ रूरल मिशन का पैसा देते हैं ताकि देश के राज्यों में प्राइमरी हैल्थ सैंटर्स में डाइरिया, लू और गरमी से लोगों को बचाने के लिए दवाओं की खरीद हो सके। दुर्भाग्यवश उत्तर प्रदेश की परिस्थिति यह है कि उत्तर प्रदेश में पीएचसीज़ में दवाएं नहीं मिल रही हैं, लगभग 80 लोगों की मौत हो गई हैं।

उन्हें ओ.आर.एस. तक नहीं मिल रहा है। ...(व्यवधान) मैं केवल विषय पर बोल रहा हूं।

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त करिये।

श्री जगदम्बिका पाल : वहां बिजली तक नहीं है। आज सारे तालाब सूख गये हैं, नहरें सूख गई हैं। टेल एंड तक पानी नहीं आ रहा है। सम्पूर्ण प्रदेश में बिजली नहीं है, जिसके कारण इस भयंकर गर्मी और लू से लोग मर रहे है और राज्य सरकारों की उदासीनता के कारण भी लोग मर रहे हैं, उनके परिवार अनाथ हो रहे हैं। लेकिन उन्हें कोई मुआवजा नहीं दिया जा रहा है, कोई अहेतुक सहायता नहीं दी जा रही है। यह एक बहुत गम्भीर प्रश्न है, यह कोई राजनीतिक विषय नहीं है। मैं इस विषय को इसलिए नहीं उठा रहा हूं। मैं इस महत्वपूर्ण विषय की गंभीरता के कारण पूरे देश और प्रदेशों की ओर इस सम्मानित सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। ...(व्यवधान) मैं चाहता हूं कि दारासिंह चौहान जी आप इस विषय की गम्भीरता को कम मत करिये। यह विषय अपने आपमें बहुत गम्भीर है, क्योंकि मरने वाले सभी गरीब लोग हैं, जिन्हें ठीक से न्यूट्रीशन नहीं मिलता है, वे कुपोषण के शिकार है। उनमें ज्यादातर बच्चे हैं, जिनके आगे पूरा भविष्य है। उन बच्चों को गांवों में इस लू के कारण दस्त होते हैं, डायरिया होता है और वे मौत के मुंह में चल जाते हैं। *

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

श्री जगदम्बिका पाल : इसलिए सरकार से मेरा निवेदन है कि इस पर कोई प्रभावी कार्रवाई की जाए, तालाब भरे जाएं, नहरों को चलाया जाए और वहां जो बिजली का उत्पादन नहीं है।

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त कीजिए।

श्री जगदम्बिका पाल : मैं समाप्त कर रहा हूं।

महोदया, मैं आपका आभारी हूं कि आपने इतने गम्भीर मामले पर मुझे बोलने का मौका दिया। मैं चाहता हूं कि आप राज्य सरकार को निर्देशित करें कि जो लोग लू

के कारण मरे हैं, उनके परिवारों को मुआवजा दिया जाए।